

चाणक्य नीति

•••
1

101. श्रवण करने से धर्म का ज्ञान होता है, द्वेष दूर होता है, ज्ञान की प्राप्ति होती है और माया की आसक्ति से मुक्ति होती है.

By means of hearing one understands dharma, malignity vanishes, knowledge is acquired, and liberation from material bondage is gained.

102. पक्षियों में कौवा नीच है. पशुओं में कुत्ता नीच है. जो तपस्वी पाप करता है वो घिनौना है. लेकिन जो दूसरों की निंदा करता है वह सबसे बड़ा चांडाल है.

Among birds the crow is vile; among beasts the dog; the ascetic whose sins is abominable, but he who blasphemes others is the worst chandala.

103. राख से घिसने पर पीतल चमकता है . ताम्बा इमली से साफ होता है. औरते प्रदर से शुद्ध होती है. नदी बहती रहे तो साफ़ रहती है.

Brass is polished by ashes; copper is cleaned by tamarind; a woman, by her menses; and a river by its flow.

104. राजा, ब्राह्मण और तपस्वी योगी जब दूसरे देश जाते हैं, तो आदर पाते हैं. लेकिन औरत यदि भटक जाती है तो बर्बाद हो जाती है.

The king, the brahmana, and the ascetic yogi who go abroad are respected; but the woman who wanders is utterly ruined.

105. धनवान व्यक्ति के कई मित्र होते हैं. उसके कई सम्बन्धी भी होते हैं. धनवान को ही आदमी कहा जाता है और पैसेवालों को ही पंडित कह कर नवाजा जाता है.

He who has wealth has friends. He who is wealthy has relatives. The rich one alone is called a man, and the affluent alone are respected as pandits.

106. सर्व शक्तिमान के इच्छा से ही बुद्धि काम करती है, वही कर्मों को नियंत्रित करता है. उसी की इच्छा से आस पास में मदद करने वाले आ जाते हैं.

As is the desire of Providence, so functions one's intellect; one's activities are also controlled by Providence; and by the will of Providence one is surrounded by helpers.

चाणक्य नीति

2

107. काल सभी जीवों को निपुणता प्रदान करता है. वही सभी जीवों का संहार भी करता है. वह जागता रहता है जब सब सो जाते हैं. काल को कोई जीत नहीं सकता.

Time perfects all living beings as well as kills them; it alone is awake when all others are asleep. Time is insurmountable.

108. जो जन्म से अंध है वो देख नहीं सकते. उसी तरह जो वासना के अधीन है वो भी देख नहीं सकते. अहंकारी व्यक्ति को कभी ऐसा नहीं लगता की वह कुछ बुरा कर रहा है. और जो पैसे के पीछे पड़े है उनको उनके कर्मों में कोई पाप दिखाई नहीं देता.

Those born blind cannot see; similarly blind are those in the grip of lust. Proud men have no perception of evil; and those bent on acquiring riches see no sin in their actions.

109. जीवात्मा अपने कर्म के मार्ग से जाता है. और जो भी भले बुरे परिणाम कर्मों के आते है उन्हें भोगता है. अपने ही कर्मों से वह संसार में बंधता है और अपने ही कर्मों से बन्धनों से छूटता है.

The spirit soul goes through his own course of karma and he himself suffers the good and bad results thereby accrued. By his own actions he entangles himself in samsara, and by his own efforts he extricates himself.

110. राजा को उसके नागरिकों के पाप लगते हैं. राजा के यहाँ काम करने वाले पुजारी को राजा के पाप लगते हैं. पति को पत्नी के पाप लगते हैं. गुरु को उसके शिष्यों के पाप लगते हैं.

The king is obliged to accept the sins of his subjects; the purohit (priest) suffers for those of the king; a husband suffers for those of his wife; and the guru suffers for those of his pupils.

111. अपने ही घर में व्यक्ति के ये शत्रु हो सकते हैं...

उसका बाप यदि वह हरदम कर्ज में डूबा रहता है.

उसकी माँ यदि वह दूसरे पुरुष से संग करती है.

सुन्दर पत्नी

वह लड़का जिसने शिक्षा प्राप्त नहीं की.

A father who is a chronic debtor, an adulterous mother, a beautiful wife, and an unlearned son are enemies (in one's own home).

चाणक्य नीति

3

112. एक लालची आदमी को भेट वास्तु दे कर संतुष्ट करे. एक कठोर आदमी को हाथ जोड़कर संतुष्ट करे. एक मुख को सम्मान देकर संतुष्ट करे. एक विद्वान् आदमी को सच बोलकर संतुष्ट करे.

Conciliate a covetous man by means of a gift, an obstinate man with folded hands in salutation, a fool by humouring him, and a learned man by truthful words.

113. एक बेकार राज्य का राजा होने से यह बेहतर है की व्यक्ति किसी राज्य का राजा ना हो. एक पापी का मित्र होने से बेहतर है की बिना मित्र का हो. एक मुख का गुरु होने से बेहतर है की बिना शिष्य वाला हो. एक बुरी पत्नी होने से बेहतर है की बिना पत्नी वाला हो.

It is better to be without a kingdom than to rule over a petty one; better to be without a friend than to befriend a rascal; better to be without a disciple than to have a stupid one; and better to be without a wife than to have a bad one.

114. एक बेकार राज्य में लोग सुखी कैसे हो? एक पापी से किसी शान्ति की प्राप्ति कैसे हो? एक बुरी पत्नी के साथ घर में कौनसा सुख प्राप्त हो सकता है. एक नालायक शिष्य को शिक्षा देकर कैसे कीर्ति प्राप्त हो?

How can people be made happy in a petty kingdom? What peace can we expect from a rascal friend? What happiness can we have at home in the company of a bad wife? How can renown be gained by instructing an unworthy disciple?

115. शेर से एक बात सीखे. बगुले से एक. मुर्गे से चार. कौवे से पाच. कुत्ते से छह. और गधे से तीन.

Learn one thing from a lion; one from a crane; four a cock; five from a crow; six from a dog; and three from an ass.

116. शेर से यह बढ़िया बात सीखे की आप जो भी करना चाहते हो एकदिली से और जबरदस्त प्रयास से करे.

The one excellent thing that can be learned from a lion is that whatever a man intends doing should be done by him with a whole-hearted and strenuous effort.

चाणक्य नीति

4

119. बुद्धिमान व्यक्ति अपने इन्द्रियों को बगुले की तरह वश में करते हुए अपने लक्ष्य को जगह, समय और योग्यता का पूरा ध्यान रखते हुए पूर्ण करे.

The wise man should restrain his senses like the crane and accomplish his purpose with due knowledge of his place, time and ability.

120. मुर्गे से हे चार बातें सीखें...

१. सही समय पर उठें. २. नीडर बनें और लड़ें. ३. संपत्ति का रिश्तेदारों से उचित बटवारा करें.
४. अपने कष्ट से अपना रोजगार प्राप्त करें.

To wake at the proper time; to take a bold stand and fight; to make a fair division (of property) among relations; and to earn one's own bread by personal exertion are the four excellent things to be learned from a cock.

121. कौवे से ये पांच बातें सीखें... १. अपनी पत्नी के साथ एकांत में प्रणय करें. २. नीडरता ३. उपयोगी वस्तुओं का संचय करें. ४. सभी ओर दृष्टि घुमायें. ५. दुसरो पर आसानी से विश्वास न करें.

Union in privacy (with one's wife); boldness; storing away useful items; watchfulness; and not easily trusting others; these five things are to be learned from a crow.

122. कुत्ते से ये बातें सीखें १. बहुत भूख हो पर खाने को कुछ ना मिले या कम मिले तो भी संतोष करें. २. गाड़ी नींद में हो तो भी क्षण में उठ जाए. ३. अपने स्वामी के प्रति बेहिचक इमानदारी रखें ४. नीडरता.

Contentment with little or nothing to eat although one may have a great appetite; to awaken instantly although one may be in a deep slumber; unflinching devotion to the master; and bravery; these six qualities should be learned from the dog.

123. गधे से ये तीन बातें सीखें. १. अपना बोझा ढोना ना छोड़ें. २. सर्दी गर्मी की चिंता ना करें.
३. सदा संतुष्ट रहें.

Although an ass is tired, he continues to carry his burden; he is unmindful of cold and heat; and he is always contented; these three things should be learned from the ass.

124. जो व्यक्ति इन बीस गुणों पर अमल करेगा वह जो भी करेगा सफल होगा.

चाणक्य नीति

5

He who shall practice these twenty virtues shall become invincible in all his undertakings.

125. एक बुद्धिमान व्यक्ति को निम्नलिखित बातें किसी को नहीं बतानी चाहिए ..

१. की उसकी दौलत खो चुकी है.
२. उसे क्रोध आ गया है.
३. उसकी पत्नी ने जो गलत व्यवहार किया.
४. लोगो ने उसे जो गालिया दी.
५. वह किस प्रकार बेइज्जत हुआ है.

A wise man should not reveal his loss of wealth, the vexation of his mind, the misconduct of his own wife, base words spoken by others, and disgrace that has befallen him.

126. जो व्यक्ति आर्थिक व्यवहार करने में, ज्ञान अर्जन करने में, खाने में और काम-धंदा करने में शर्माता नहीं है वो सुखी हो जाता है.

He who gives up shyness in monetary dealings, in acquiring knowledge, in eating and in business, becomes happy.

127. जो सुख और शांति का अनुभव स्वरूप ज्ञान को प्राप्त करने से होता है, वैसा अनुभव जो लोभी लोग धन के लोभ में यहाँ वहाँ भटकते रहते हैं उन्हें नहीं होता.

The happiness and peace attained by those satisfied by the nectar of spiritual tranquillity is not attained by greedy persons restlessly moving here and there.

128. व्यक्ति नीचे दी हुए ३ चीजो से संतुष्ट रहे...

१. खुदकी पत्नी
२. वह भोजन जो विधाता ने प्रदान किया.
३. उतना धन जितना इमानदारी से मिल गया.

चाणक्य नीति

6

One should feel satisfied with the following three things; his own wife, food given by Providence and wealth acquired by honest effort;

129. लेकिन व्यक्ति को नीचे दी हुई ३ चीजों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए...

१. अभ्यास २. भगवान् का नाम स्मरण. ३. परोपकार

But one should never feel satisfied with the following three; study, chanting the holy names of the Lord (japa) and charity.

130. इन दोनों के मध्य से कभी ना जाए..

१. दो ब्राह्मण.
२. ब्राह्मण और उसके यज्ञ में जलने वाली अग्नि.
३. पति पत्नी.
४. स्वामी और उसका चाकर.
५. हल और बैल.

Do not pass between two brahmanas, between a brahmana and his sacrificial fire, between a wife and her husband, a master and his servant, and a plough and an ox.

131. अपना पैर कभी भी इनसे न छूने दे...१. अग्नि २. अध्यात्मिक गुरु ३. ब्राह्मण ४. गाय ५. एक कुमारिका ६. एक उम्र में बड़ा आदमी. ७. एक बच्चा.

Do not let your foot touch fire, the spiritual master or a brahmana; it must never touch a cow, a virgin, an old person or a child.

चाणक्य नीति

7

132. हाथी से हजार गज की दुरी रखे.
घोड़े से सौ की.
सिंग वाले जानवर से दस की.
लेकिन दुष्ट जहा हो उस जगह से ही निकल जाए.

Keep one thousand cubits away from an elephant, a hundred from a horse, ten from a horned beast, but keep away from the wicked by leaving the country.

133. हाथी को अंकुश से नियंत्रित करे.
घोड़े को थप थपा के.
सिंग वाले जानवर को डंडा दिखा के.
एक बदमाश को तलवार से.

An elephant is controlled by a goad (ankusha), a horse by a slap of the hand, a horned animal with the show of a stick, and a rascal with a sword.

134. ब्राह्मण अच्छे भोजन से तृप्त होते हैं. मोर मेघ गर्जना से. साधू दुसरो की सम्पन्नता देखकर और दुष्ट दुसरो की विपदा देखकर.

Brahmanas find satisfaction in a good meal, peacocks in the peal of thunder, a sadhu in seeing the prosperity of others, and the wicked in the misery of others.

135. एक शक्तिशाली आदमी से उसकी बात मानकर समझौता करे. एक दुष्ट का प्रतिकार करे. और जिनकी शक्ति आपकी शक्ति के बराबर है उनसे समझौता विनम्रता से या कठोरता से करे.

चाणक्य नीति

8

Conciliate a strong man by submission, a wicked man by opposition, and the one whose power is equal to yours by politeness or force.

136. एक राजा की शक्ति उसकी शक्तिशाली भुजाओं में है. एक ब्राह्मण की शक्ति उसके स्वरूप ज्ञान में है. एक स्त्री की शक्ति उसकी सुन्दरता, तारुण्य और मीठे वचनों में है.

The power of a king lies in his mighty arms; that of a brahmana in his spiritual knowledge; and that of a woman in her beauty youth and sweet words.

137. अपने व्यवहार में बहुत सीधे ना रहे. आप यदि वन जाकर देखते हैं तो पायेंगे की जो पेड़ सीधे उगे उन्हें काट लिया गया और जो पेड़ आड़े तिरछे हैं वो खड़े हैं.

Do not be very upright in your dealings for you would see by going to the forest that straight trees are cut down while crooked ones are left standing.

138. हंस वहा रहते हैं जहा पानी होता है. पानी सूखने पर वे उस जगह को छोड़ देते हैं. आप किसी आदमी को ऐसा व्यवहार ना करने दे की वह आपके पास आता जाता रहे.

Swans live wherever there is water, and leave the place where water dries up; let not a man act so -- and comes and goes as he pleases.

139. संचित धन खर्च करने से बढ़ता है. उसी प्रकार जैसे ताजा जल जो अभी आया है बचता है, यदि पुराने स्थिर जल को निकल बहार किया जाये.

चाणक्य नीति

9

Accumulated wealth is saved by spending just as incoming fresh water is saved by letting out stagnant water.

140. वह व्यक्ति जिसके पास धन है उसके पास मित्र और सम्बन्धी भी बहुत रहते हैं. वही इस दुनिया में टिक पाता है और उसीको इज्जत मिलती है.

He who has wealth has friends and relations; he alone survives and is respected as a man.

141. स्वर्ग में निवास करने वाले देवता लोगो में और धरती पर निवास करने वाले लोगो में कुछ साम्य पाया जाता है. उनके समान गुण है १. परोपकार २. मीठे वचन ३. भगवान् की आराधना. ४. ब्राह्मणों के जरूरतों की पूर्ति.

The following four characteristics of the denizens of heaven may be seen in the residents of this earth planet; charity, sweet words, worship of the Supreme Personality of Godhead, and satisfying the needs of brahmanas.

142. नरक में निवास करने वाले और धरती पर निवास करने वालो में साम्यता - १. अत्याधिक क्रोध २. कठोर वचन ३. अपने ही संबंधियों से शत्रुता ४. नीच लोगो से मैत्री ५. हीन हरकते करने वालो की चाकरी.

The following qualities of the denizens of hell may characterise men on earth; extreme wrath, harsh speech, enmity with one's relations, the company with the base, and service to men of low extraction.

चाणक्य नीति

10

143. यदि आप शेर की गुफा में जाते हो तो आप को हाथी के माथे का मणि मिल सकता है. लेकिन यदि आप लोमड़ी जहा रहती है वहा जाते हो तो बछड़े की पूछ या गधे की हड्डी के अलावा कुछ नहीं मिलेगा.

By going to the den of a lion pearls from the head of an elephant may be obtained; but by visiting the hole of a jackal nothing but the tail of a calf or a bit of the hide of an ass may be found.

144. एक अनपढ़ आदमी की जिंदगी किसी कुत्ते की पूछ की तरह बेकार है. उससे ना उसकी इज्जत ही ढकती है और ना ही कीड़े मक्खियों को भागने के काम आती है.

The life of an uneducated man is as useless as the tail of a dog, which neither covers its rear end, nor protects it from the bites of insects.

145. यदि आप दिव्यता चाहते है तो आपके वाचा, मन और इन्द्रियों में शुद्धता होनी चाहिए. उसी प्रकार आपके हृदय में करुणा होनी चाहिए.

Purity of speech, of the mind, of the senses, and a compassionate heart are needed by one who desires to rise to the divine platform.

146. जिस प्रकार एक फूल में खुशबु है. तिल में तेल है. लकड़ी में अग्नि है. दूध में घी है. गन्ने में गुड है. उसी प्रकार यदि आप ठीक से देखते हो तो हर व्यक्ति में परमात्मा है.

As you seek fragrance in a flower, oil in the sesamum seed, fire in wood, ghee (butter) in milk, and jaggery (guda) in sugarcane; so seek the spirit that is in the body by means of discrimination.

चाणक्य नीति

11

147. नीच वर्ग के लोग दौलत चाहते हैं, मध्यम वर्ग के दौलत और इज्जत, लेकिन उच्च वर्ग के लोग सम्मान चाहते हैं क्यों की सम्मान ही उच्च लोगो की असली दौलत है.

Low class men desire wealth; middle class men both wealth and respect; but the noble, honour only; hence honour is the noble man's true wealth.

148. दीपक अँधेरे का भक्षण करता है इसीलिए काला धुआ बनाता है. इसी प्रकार हम जिस प्रकार का अन्न खाते हैं. माने सात्विक, राजसिक, तामसिक उसी प्रकार के विचार उत्पन्न करते हैं.

The lamp eats up the darkness and therefore it produces blackened lamp; in the same way according to the nature of our diet (sattva, rajas, or tamas) we produce offspring in similar quality.

149. हे विद्वान् पुरुष ! अपनी संपत्ति केवल पात्र को ही दे और दूसरो को कभी ना दे. जो जल बादल को समुद्र देता है वह बड़ा मीठा होता है. बादल वर्षा करके वह जल पृथ्वी के सभी चल अचल जीवो को देता है और फिर उसे समुद्र को लौटा देता है.

O wise man! Give your wealth only to the worthy and never to others. The water of the sea received by the clouds is always sweet. The rainwater enlivens all living beings of the earth both movable (insects, animals, humans, etc.) and immovable (plants, trees, etc.), and then returns to the ocean where its value is multiplied a million fold.

150. विद्वान् लोग जो तत्त्व को जानने वाले हैं उन्होंने कहा है की मास खाने वाले चांडालो से हजार गुना नीच है. इसलिए ऐसे आदमी से नीच कोई नहीं.

The wise who discern the essence of things have declared that the yavana (meat eater) is equal in baseness to a thousand candalas (the lowest class), and hence a yavana is the basest of men; indeed there is no one more base.

दोस्तों चाणक्य के अनगिनत सूत्रों में प्रथम 50 सूत्रों को आपने पढ़ा. आगे के सूत्र आप यहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं.

चाणक्य नीति

12

1. डाउनलोड > चाणक्य नीति पार्ट 2- Chanakya Quotes [51-100]
2. डाउनलोड > चाणक्य नीति पार्ट 2- Chanakya Quotes [51-100]
3. डाउनलोड > चाणक्य नीति पार्ट 3-Chanakya Quotes [101-150]
4. डाउनलोड > चाणक्य नीति पार्ट 4-Chanakya Quotes [151-200]
5. डाउनलोड > चाणक्य नीति पार्ट 5-Chanakya Quotes [201-250]
6. डाउनलोड > चाणक्य नीति पार्ट 6-Chanakya Quotes [251-300]
7. डाउनलोड > चाणक्य नीति पार्ट 7-Chanakya Quotes [301-350]

सम्पूर्ण चाणक्य नीति पढने के लिए यहाँ क्लिक करें